भा कृ अनु प –के मा शि सं, मुंबई में 75वां गणतंत्र दिवस समारोह

भा कृ अनु प –के मा शि सं , मुंबई ने भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के जश्न को देशभक्ति, खुशी और एकता के रूप में परिभाषित किया । भा कृ अनु प –के मा शि सं के निदेशक एवं कुलपति डॉ. सी.एन. रविशंकर ने तिरंगा फहराया और सभा को संबोधित किया. संयुक्त निदेशक डॉ. एन.पी. साहू, विभागों के प्रमुख, प्रशासन प्रमुख, वैज्ञानिक, कर्मचारी और छात्र समारोह में शामिल हुए। भारत को एक संप्रभु गणराज्य बनाने वाले सभी लोगों के समर्पण और बलिदान को कृतज्ञतापूर्वक याद करते हुए डॉ. रविशंकर ने पिछले सात दशकों में भारत द्वारा कृषि, अंतरिक्ष अनुसंधान, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में की गई प्रगति पर प्रकाश डाला और काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारत को प्रगतिशील, आत्मनिर्भर और वैश्विक नायक बनाना है। भविष्य में खाद्य सुरक्षा एक चुनौती है, बढ़ती जनसंख्या और कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन क्षेत्र खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में हम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आज उच्च शिक्षण संस्थान की विकास सरकारी योजना के अभिन्न अंग हैं। मत्स्य पालन सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है, क्योंकि इस क्षेत्र में तेज गति से बढ़ने और रोजगार और आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करने की क्षमता है। ICAR-CIFE ने भारत में मत्स्य पालन शिक्षा को आकार देने, मत्स्य पालन में मानव संसाधन विकास, प्रौद्योगिकी विकास और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नई शिक्षा नीति के क्रमिक कार्यान्वयन के साथ, मत्स्य पालन शिक्षा को बहु-विषयक और उद्यमिता-उन्मुख होने की दिशा में परिवर्तन से गुजरना होगा। I2023 में CAR-CIFE ने "ज्ञान व्यावसायीकरण" का नवीन विचार प्रस्तुत किया है । जिसके परिणामस्वरूप कई शोध निष्कर्ष किसानों और उद्योगों के लिए उपयोगी क्षेत्र-उन्मुख प्रौद्योगिकियों में बदल गए। 2024 में, आईसीएआर-सीआईएफई "शैक्षणिक उत्कृष्टता और छात्र उद्यमिता" की अवधारणा शुरू कर रहा है, जिसमें इस प्रक्रिया के केंद्र में संकाय के साथ छात्रों के अनुसंधान को क्षेत्र-उन्मुख प्रौद्योगिकियों के विकास में आकार देने का विचार है। इस तालमेल में तेजी आने की उम्मीद है

प्रौद्योगिकी विकास और अकादमिक अनुसंधान को किसान और उद्योग केंद्रित बनानाहै । डॉ. रविशंकर ने आश्वासन दिया कि संस्थान हमेशा की तरह, छात्रों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम करना जारी रखेगा और उन्होंने आईसीएआर-सीआईएफई को सीखने, नवाचार और समान अवसर का स्थान बनाने के लिए संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की सराहना की। इसके बाद स्टाफ एवं कर्मचारियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान,मुंबई
ICAR-CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION